प्रो. रमेशकुमारपाण्डेयः
कुलपतिः

Prof. Ramesh Kumar Pandey
Vice Chancellor

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्
(मानितविश्वविद्यालयः)
केन्द्रीय-स्वायत्तशासी-संस्था (मा.सं.वि. मन्त्रालयः, भारतसर्वकारः)
'ए' ग्रेड (नैक)
बी-4, कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली-110 016

Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha
(Deemed University)
A Central Autonomous Body (Ministry of HRD, Govt. of India)
'A' Grade (NAAC)
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110 016

क्रमांकः एफ-लाबशा/वीसी/2019/

दिनांक : 20.12.2019

अनुरोध (Appeal)

मेरा सभी छात्रों, अध्यापकों, कर्मचारियों एवं सामान्य नागरिकों से अनुरोध है कि प्रजातन्त्र की गरिमा को ध्यान में रखते हुए अपने विचार एवं व्यवहार को प्रकट करें । 'नागरिकता संशोधन विधेयक' को ठीक से समझने की आवश्यकता है । यह न तो संविधान विरोधी है और न ही किसी जाति, वर्ग, लिङ्ग या वर्ण के अधिकारों का विरोधी है । भारत में रहने वाले किसी भी नागरिक को संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार का विरोधी नहीं है ।

विमत या विरोध प्रजातन्त्र की मर्यादा के अन्तर्गत किया जाना उचित है । किसी भी प्रकार की जान-माल की क्षति करना अपराध है । अतः देश में शान्ति का वातावरण बनाने का प्रयत्न करें ।

अनुरोधकर्ता
रमेशकुमारपाण्डेयः
(रमेश कुमार पाण्डेय)

दूरभाषः 011-26851253, 26564003, Fax : 011- 26520255
E-mail : profrkpandey@yahoo.co.in, vcslbsrsv@yahoo.co.in